वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 22 | शनिवार 17 मई 2025 | दैनिक ई-पेपर

# शाबास इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

# जयपुर में मनाई जाएगी राजकपूर की 100वीं जयंती

## बिरला ऑडिटोरियम में 25 मई को म्यूजिकल प्रोग्राम 'कपूर कल आज कल' में परफॉर्म करेंगे कलाकार

**जयपुर. कासं**

जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में राजकपूर की 100वीं जयंती पर रविवार, 25 मई को म्यूजिकल प्रोग्राम 'कपूर कल आज कल' का आयोजन होगा। पहली बार हो रहे इस इवेंट में मुंबई के म्यूजिक डायरेक्टर संजय मराठे 35 आर्टिस्ट्स के साथ लाइव परफॉर्म करेंगे। इसमें राजकपूर के फेमस गानों को नए अंदाज में पेश किया जाएगा। गोल्डन एरा म्यूजिकल सोसायटी की ओर से हो रहे इस आयोजन में रोटरी क्लब जयपुर सिटिजन और इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन, जिला जयपुर का सहयोग रहेगा। बॉलीवुड गायक आलोक कठघरे इस खास मौके पर राजकपूर के म्यूजिकल सफर को लाइव परफॉर्मेंस के जरिए दर्शकों के सामने लाएंगे।

**हर साल होगा क्लासिक म्यूजिकल प्रोग्राम्स का आयोजन:** प्रोग्राम के चेयरमैन रोटेरियन सुधीर जैन गोधा और को चेयरमैन

सीए संजय पाबूवाल ने बताया- गोल्डन एरा म्यूजिकल सोसाइटी की स्थापना रेट्रो म्यूजिक को प्रमोट करने के उद्देश्य से की गई थी। इसी सोच के साथ हर साल ऐसे क्लासिक म्यूजिकल प्रोग्राम्स का आयोजन किया जाएगा, जिससे पुराने दौर की यादें नए जेनरेशन तक पहुंच सकें। कार्यक्रम की शो कंसेप्ट और क्यूरेशन अनुराग मोहन दीक्षित ने तैयार की है। चीफ कोऑर्डिनेटर सीए नरेंद्र मित्तल हैं, जबकि आयोजन की एडवाइजरी भूमिका में जेडी महेश्वरी और रोटेरियन दिनेश जैन बज (प्रेसिडेंट-आरसीजेसी) शामिल हैं। प्रोग्राम कोआर्डिनेशन की जिम्मेदारी 35 लोगों की टीम निभा रही है, जिसमें संजय अग्रवाल, अजय जैन, गौरव लोयालका, सीए मुकेश गुप्ता, अशोक जैन सेठिया, अभिषेक पोद्दार, अजय कटारिया, अरविंद भांगड़िया, रश्मिकांत सोनी, एडवोकेट जितेंद्र मित्रुका, जेके जैन, सीए पारस बिलाला, सीए जितेंद्र अग्रवाल, राजेन्द्र खंडेलवाल (लावण वाले), हेमंत गुप्ता, प्रवीण बरजटिया, कैलाश अग्रवाल, नीरज गंगवाल, आरके गुप्ता, प्रसांजित मालू, पुनीत कोठारी, सीए राजीव गुप्ता, राकेश राठी, डॉ. राजीव वशिष्ठ, शरद काबरा, आर्किटेक्ट तुषार सोगानी, एडवोकेट विजय शर्मा, जितेंद्र सर्राफ, विनोद गर्ग और विकास जैन शामिल हैं। यह एक पारिवारिक कार्यक्रम होगा। ऑडियंस को शाम 6 बजे तक अपनी सीट लेनी होगी। पास में दी गई कैटेगरी के अनुसार बैठने की व्यवस्था रहेगी। आयोजन में 8 साल से कम उम्र के बच्चों का प्रवेश नहीं होगा और प्रोग्राम के दौरान मोबाइल को साइलेंट मोड पर रखना होगा।

# गोशाला पहुंचकर खाचरियावास ने मनाया जन्मदिन

## बैकुंठनाथ मंदिर में की गौ सेवा; पूर्व मंत्री प्रतापसिंह के घर बड़ी संख्या में बधाई देने पहुंचे लोग

**जयपुर. कासं।** जयपुर में पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने शुक्रवार को अपना जन्मदिन गौ सेवा के साथ मनाया। सुबह 8 बजे वे सोडाला स्थित बैकुंठनाथ मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने भगवान की पूजा-अर्चना की और गायों को गुड़-चारा खिलाया। सिविल लाइंस स्थित खाचरियावास के निवास पर सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा। कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों के साथ मिठाई और साफे लेकर पहुंचे। जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों से लोग जुलूस की शक्ल में आए। वे 'प्रताप सिंह संघर्ष करो, हम तुम्हारे साथ हैं' के नारे लगा रहे थे। खाचरियावास ने कहा कि जनसंघर्ष के रास्ते पर चलकर वे यहां तक पहुंचे हैं। लोगों का प्यार और उनसे जुड़ाव उनकी ताकत है। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया कि प्रदेश के हितों के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। जब भी जरूरत होगी, वे सड़कों पर उतरकर सरकार को काम करने के लिए मजबूर करेंगे। प्रदेश के कांग्रेस और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने फोन और सोशल मीडिया के जरिए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

# 25 शहरों में वॉक और जयपुर में होगा पैनल डिस्कशन

## एब्डोमिनल कैंसर डे 19 मई को, माय हेल्थ, माय रेस्पॉन्सिबिलिटी थीम पर होगा आयोजन

**जयपुर. कासं**

एब्डोमिनल कैंसर डे इस वर्ष 19 मई को वैश्विक स्तर पर ''माय हेल्थ, माय रेस्पॉन्सिबिलिटी'' थीम के साथ मनाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को पेट से जुड़ी गंभीर बीमारियों और विशेष रूप से एब्डोमिनल कैंसर के प्रति जागरूक करना है। इस मौके पर जयपुर के राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में एक लाइव ग्लोबल कन्वर्सेशन के साथ पैनल डिस्कशन का आयोजन होगा, जिसमें कोलोरेक्टल कैंसर को चर्चा का केंद्र बनाया जाएगा। इससे एक दिन पहले, 18 मई को 25 से अधिक शहरों में मल्टी सिटी वॉक का आयोजन किया जाएगा, जिसे एक कर्टेन रेजर इवेंट के रूप में आयोजित किया जा रहा है। जयपुर में यह हेरिटेज वॉक सुबह 6:15 बजे जलेबी चौक से शुरू होकर सिटी पैलेस, जंतर मंतर, आतिश मार्केट, त्रिपोलिया गेट, चौड़ा रास्ता, हवामहल होते हुए वापस जलेबी चौक पर समाप्त होगी। **मुख्य आयोजन और विमोचन:** एब्डोमिनल कैंसर डे की टी-शर्ट और टैगलाइन का विमोचन फोर्टिस हॉस्पिटल और आईआईईएमआर (इंस्टीट्यूट ऑफ इवेंट मैनेजमेंट) के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर एब्डोमिनल कैंसर ट्रस्ट के फाउंडर डॉ. संदीप जैन, फोर्टिस हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. मनीष अग्रवाल, आईआईईएमआर

के निदेशक मुकेश मिश्रा, कार्यक्रम समन्वयक एडवोकेट कमलेश शर्मा, सीडार्ट की निदेशक डॉ. प्रमिला संजय और जयपुर रनर्स क्लब के अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया उपस्थित रहे।

### विशेषज्ञों की भागीदारी

19 मई को होने वाले पैनल डिस्कशन में विशेषज्ञ पैनलिस्ट के रूप में डॉ. एस. एस. शर्मा, डॉ. अजय बापना, डॉ. रुपेश पोकरना, डॉ. राम डागा और डॉ. कमल किशोर शामिल होंगे। यह कार्यक्रम लाइव ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया जाएगा, जहां दर्शक अपने प्रश्न पूछ सकेंगे और विशेषज्ञों से सीधे उत्तर प्राप्त कर सकेंगे। डॉ. संदीप जैन ने कहा कि अगर हम जीवनशैली में बदलाव करें और पेट से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न करते हुए समय पर डॉक्टर से परामर्श लें, तो एब्डोमिनल कैंसर का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है। आईआईईएमआर के निदेशक मुकेश मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष की थीम 'माय हेल्थ, माय रेस्पॉन्सिबिलिटी' का उद्देश्य है कि लोग अपनी सेहत को लेकर खुद सक्रिय और जागरूक बनें।

# एंबीशन किड्स ने सीखा कौशल विकसित करने का खेल

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

प्रताप नगर श्योपुर रोड स्थित एंबीशन किड्स एकेडमी में मस्तिष्क को तेज करने, सोचने की क्षमता को बढ़ाने और समस्या -समाधान कौशल को विकसित करने के लिए- शतरंज खेल की बारीकियों से एंबीशन किड्स को अवगत कराने के लिए तीन दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में नेशनल चैस रेंक प्लेयर एवं कोच शशांक शेखर सर द्वारा एंबीशन किड्स के लिए चरणबद्ध तरीके से तीन सेशन आयोजित किये।इस कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध होम्योपैथ डॉ एम एल जैन मणि एवं डॉ शांति जैन के कर कमलों द्वारा मां सरस्वती के श्री चरणों में दीप प्रज्वलित करके किया। इसके पश्चात प्राचार्य डॉ अलका जैन ने बताया कि बच्चों के लिए समर वेकेशन आ रहे है ।इसमें इंडोर गेम के रूप में शतरंज एक महत्वपूर्ण खेल के रूप में माना जा सकता है क्योंकि शतरंज खेलने के लिए रणनीति, योजना और विश्लेषण कौशल की आवश्यकता होती है ।यह खेल मस्तिष्क को तेज करने, सोचने की क्षमता को विकसित करने और प्रत्येक समस्या के विभिन्न विकल्पों में से सर्वोत्तम विकल्प का चयन करके उचित समाधान कौशल को विकसित करने में मदद करता है। शशांक शेखर सर ने बताया कि शतरंज एक दो-खिलाड़ियों वाला बोर्ड गेम है, जिसमें रणनीति और योजना की आवश्यकता होती है। यह एक लोकप्रिय खेल है, जिसे दुनिया भर में लाखों लोग पसंद करते हैं। शतरंज एक 8x8 के बोर्ड पर खेला जाता है, जिसमें 64 वर्ग होते हैं। प्रत्येक खिलाड़ी के पास 16 मोहरे होते हैं, जिनमें राजा, रानी, दो हाथी, दो ऊंट, दो घोड़े और आठ सिपाही शामिल हैं। खेल का लक्ष्य प्रतिद्वंद्वी के राजा को 'शह' देना है, यानी उसे ऐसी स्थिति में रखना जहाँ वह खतरे में हो और उससे बच न सके।जब राजा को शह में रखा जाता है और वह किसी भी तरह से इससे बच नहीं सकता है, तो इसे 'चेकमेट' कहा जाता है, और खेल समाप्त हो जाता है। शतरंज खेलने के लिए खेल में मोहरों की चाल उनके प्रकार के अनुसार अलग-अलग होती है, जैसे कि राजा एक ही कदम आगे, पीछे या तिरछा जा सकता है, रानी किसी भी दिशा में किसी भी संख्या में वर्ग जा सकती है, हाथी क्षैतिज या ऊर्ध्वाधर रूप से किसी भी संख्या में वर्ग जा सकते हैं, ऊंट तिरछे किसी भी संख्या में वर्ग जा सकते हैं, घोड़े एल-आकार में चलते हैं, और सिपाही एक ही कदम आगे बढ़ते हैं। प्रत्येक खिलाड़ी का लक्ष्य अपने मोहरों को रणनीतिक रूप से व्यवस्थित करना, प्रतिद्वंद्वी के मोहरों को पकड़ना, और अंततः प्रतिद्वंद्वी के राजा को शह देना है। इसके पश्चात प्रैक्टिकल ट्रेनिंग सेशन में एंबीशन किड्स को विभिन्न प्रकार की समस्याएं प्रोजेक्टर के माध्यम से दी गई तथा उनमें उपलब्ध विकल्पों को भी बारीकी से विश्लेषण कर सर्वोत्तम विकल्प का चयन किस प्रकार से किया जा सकता है यह गुर सिखाया गया।इसके पश्चात उप आचार्य अनीता जैन ने बताया कि शतरंज एक कौशल आधारित खेल है। आप अपने दोस्तों या परिवार के साथ इसे खेलने का आनंद ले सकते हैं अथवा किसी प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने कौशल को सिद्ध कर सकते हैं। आप यदि ऑनलाइन शतरंज भी खेलते हैं तो आप दुनिया भर के अन्य खिलाड़ियों के साथ भी इसे खेल सकते हैं और इसे करियर के रूप में भी चुन सकते हैं। निदेशक डॉ मनीष जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। 3 साल की उम्र में अनीश सरकार दुनिया के सबसे कम उम्र के FIDE रेटेड शतरंज खिलाड़ी बने। शतरंज खिलाड़ी अभिमन्यु मिश्रा-12 साल, 4 महीने और 25 दिन की उम्र में विश्व ग्रैंडमास्टर बनने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। आप भी यदि चाहे तो वर्ड चैंपियन बन सकते हैं। अंत में निदेशक द्वारा शशांक शेखर सर को गिफ्ट और माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

# ज्ञान संस्कार बाल शिक्षण शिविर में सिलाई प्रशिक्षण

## 15 वर्ष में 1000 से ज्यादा छात्राओं ने ली सिलाई की शिक्षा

**मनीष जैन विद्यार्थी. शाबाश इंडिया**

रघुनाथपुर। परम पूज्य आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज की प्रेरणा और आशीर्वाद से पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला के रघुनाथपुर में जैन मंदिर धर्मशाला पर 15 वर्षो से छात्राओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। जिसमें 1000 से ज्यादा महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार से अपना जीवन यापन कर आत्मनिर्भर जीवन जी रही हैं आचार्य श्री ज्ञान सागर जी महाराज के जन्म दिवस के पावन अवसर पर चल रहे ज्ञान संस्कार बाल शिक्षण शिविर के दौरान सिलाई प्रशिक्षण के लिए मध्य प्रदेश से श्रीमती स्नेहा जैन,साधिका जैन, सपना जैन ने हाथ में निर्भर जीवन कैसे जिऐं इसके लिए हमें कोई ऐसी कला जिससे धनर्जन कैसे हो उसके लिए एक है सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त करना, सभी ने सिलाई के विशेष गुण एवं उसके सीखने से लाभ पर अपनी बात रखी। 14 से 18 मई तक चल रहे ज्ञान संस्कार शिक्षण शिविर में धार्मिक शिक्षा के साथ सिलाई, मेहंदी, पेंटिंग, नृत्य की शिक्षा दी जा रही हैं जिसमें 500 से ज्यादा शिवरार्थियों ने भाग लिया। शिक्षण शिविर सुंदराबाध, भगाबांध, पंच पहाड़ी, लायक डागा,धनिया डांगा, वेडों आदि स्थानों पर धर्म प्रभावना पूर्वक चल रहे हैं। आत्मनिर्भर कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं ने णमोकार मंत्र के साथ एवं आचार्य ज्ञान सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीपप्रज्वलन,मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसमें आत्मनिर्भर के विषय में सभी विद्वानों ने अपने विचार रखें इसके साथ शाकाहार के संबंध में जानकारी दी की किस प्रकार शाकाहार हमारे जीवन को महत्वपूर्ण स्थान पर पहुंचने के लिए सहायक होता है, शिविर संयोजक मनीष विद्यार्थी ने बताया की शिक्षण शिविर के माध्यम से कम समय में दी जाने वाली शिक्षा,हमारे लिए उस दिशा में बीजारोपण करने का कार्य करती है, इसलिए आयोजन होने पर ऐसे शिक्षण शिविरों में हमें भाग लेकर समय का सदुपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में पधारें प्रमुख विद्वान पं. जयकुमार जी दुर्ग, राजकुमार शास्त्री, रीतेंद्र जैन, रामदुलार जैन उपस्थित रहे।

# धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर 18 मई से शुभारंभ होगा

## दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल एवं ईकाई के तत्वावधान में लगेगा शिक्षण शिविर

**निवाई. शाबाश इंडिया।** आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में नसियां जैन मंदिर सहित शहर के पांच स्थानों पर दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल एवं ईकाई के तत्वावधान में दस दिवसीय संस्कार शिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। महासमिति ईकाई की प्रकोष्ठ मंत्री संजू जौंला ने बताया कि आगामी 18 मई से 27 मई तक बच्चों के लिए धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर आयोजित किया जायेगा। दिगम्बर जैन महासमिति संभाग मंत्री विमल पाटनी जौंला एवं महिला अध्यक्ष शशी सोगानी ने बताया कि शिविर में नसियां जैन मंदिर पाठशाला, इन्द्रा कालोनी जैन पाठशाला, बड़ा जैन मंदिर पाठशाला, भगतसिंह कालोनी शांतिसागर पाठशाला, एवं चंद्र प्रभु पाठशाला बंपुई वालों की धर्मशाला के बालक बालिकाओं को महासमिति महिला ईकाई के पदाधिकारियों द्वारा धार्मिक शिक्षण दिया जाएगा।

# धार्मिक संस्कारों से होगा बच्चों का व्यक्तित्व निर्माण

## वरुण पथ स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में 12 दिवसीय शिविर का शुभारंभ

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री दिगंबर जैन मंदिर, वरुण पथ, मानसरोवर में श्रमण संस्कृति संस्थान व महिला महासमिति के संयुक्त तत्वावधान में 12 दिवसीय ग्रीष्मकालीन धार्मिक संस्कार शिविर का शुभारंभ हुआ। यह शिविर 16 मई से 27 मई 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य बच्चों में धार्मिक आस्था, नैतिक मूल्यों और जिनवाणी के बीजों का रोपण करना है। शिविर का उद्घाटन भगवान के चित्र के अनावरण कांता देवी बड़जात्या ने किया। दीप प्रज्वलन भँवरी देवी काला, सुनील गंगवाल एवं पंकज पाटनी गंगवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में निर्मल रारा एवं स्नेहलता वैद उपस्थित रहीं। मानसरोवर महिला संभाग की

चन्द्रकांता छाबड़ा और हीरामणि छाबड़ा ने जानकारी दी कि इस शिविर के माध्यम से बच्चों को अभिषेक, पूजन, स्वाध्याय, आरती एवं जिनवाणी की शिक्षा दी जाएगी। राजस्थान महिला महासमिति की अध्यक्षा शालिनी बाकलीवाल एवं मंत्री डिंपल गादिया ने बताया कि श्रमण संस्कृति संस्थान द्वारा जयपुर सहित कई शहरों में ऐसे शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें संस्थान की विदुषी दीदियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विद्या सागर आगम पाठशाला की ओर से गुलराज जैन, सुमन जैन, मीनू गोधा और अर्पणा ठोलिया, एवं संस्थान की विदुषी दीदी अंशिका और दीदी शेफाली शिविर में शिक्षिका के रूप में ज्ञानवर्धन करेंगी। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मंत्री अनिता लुहाड़िया ने बताया कि शिविर के संयोजक जे. के. जैन, कृष्णा जैन, बबीता पाटनी, अंजू जैन एवं मंजू जैन हैं। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष एम. पी. जैन, ज्ञान बिलाला, हेमंत सेठी, सुनील गंगवाल, सतीश कासलीवाल, विद्युत लुहाड़िया, ज्ञानू जैन, मनीष गोधा, अरुण पाटनी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

## स्वाध्याय करने वाला व्यक्ति ही जीवन की सार्थकता को समझ पाता है: मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज

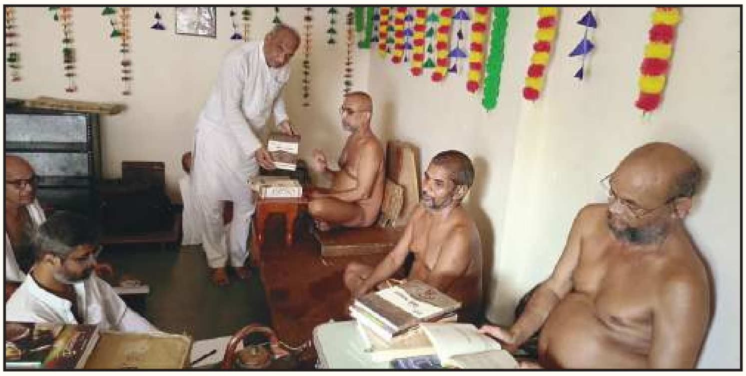

**सनावद. शाबाश इंडिया।** परम पूज्य मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज ने संत निवास पर लेखक डॉ. नरेन्द्र जैन भारती, अनुभव जैन, वारिश जैन, प्रियम जैन से धर्म चर्चा में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वाध्याय करना चाहिए। स्वाध्याय करने वाला व्यक्ति जीवन की सार्थकता को समझ पाता है। ऐसी प्रेरणा देते हुए पूज्य मुनि श्री ने पार्श्व ज्योति मंच के विद्वान डॉ. जैन को स्व लिखित सुनयनपथ गामी, शुभ - लाभ तथा मेरी जीवन गाथा ग्रंथ प्रदान किये। जिनके स्वाध्याय कर तदनुसार उनमें वर्णित शिक्षाओं को आचरण में लाने की प्रेरणा दी। श्रीमती सावित्रीबाई जटाले को भी उपरोक्त ग्रंथ प्रदान किये गये। डॉ. जैन ने बताया कि पूज्य श्रवण मुनि सुप्रभ सागर जी ने सुनयनपथगामी ग्रंथ में महावीराष्टक के आठ संस्कृत पद्यों, शुभ - लाभ ग्रंथ में एकीभाव स्तोत्र को आलंबन कर देव शास्त्र गुरु तथा मेरी भावना में पंडित जुगल किशोर जी मुख्तार की मेरी भावना की विशेषताओं को दर्शाकर जीवन में प्रत्येक व्यक्ति की भावना कैसी होनी चाहिए इस पर विस्तृत प्रकाश डालकर जीवन जीने की कला सिखलाई है। कमलेश भूच ने बताया कि पूज्य मुनि श्री प्रशम सागर जी, मुनि श्री सुप्रभ सागर जी, मुनि श्री प्रणत सागर जी तथा क्षुल्लक विप्रज्ञ सागर जी ने शुक्रवार को सुलगाँव में आहार चर्या के उपरांत खंडवा की ओर प्रस्थान किया तथा वहाँ से पैदल चलकर वासीम पहुँचेगें। वासीम में ही संघ का चातुर्मास होगा।

## वेद ज्ञान

### भूल से सीख

जब कोई मनुष्य भूल करता है तो यह अपेक्षा अवश्य की जाती है कि वह इससे सीखे और भविष्य में पुनरावृत्ति न करे। इसकी अपेक्षा पर कोई ही खरा उतरता है। समस्या यह है कि मनुष्य सदैव अपने को सही समझता है और उसके पास बताने को अपने कार्यों का कोई न कोई औचित्य होता ही है। सुधार का प्रश्न तो उस समय पैदा होता है, जब वह स्वीकार करे कि उसने कोई भूल की है। इसका मूल है मनुष्य का अहंकार। मनुष्य के आचरण के स्तर से नीचे गिरने के दो ही प्रमुख कारण होते हैं। एक कारण है अज्ञानता। अज्ञानता के कारण वह सीमित दायरे में सोचता है। उसे यह स्पष्ट नहीं होता कि उसके किसी भी कार्य का प्रभाव मात्र उसके तक ही सीमित नहीं रहता इससे समाज भी किसी न किसी रूप में प्रभावित होता है। दूसरा कारण मन में चल रहे विकार हैं। कोई भी कार्य जो काम, क्रोध, लोभ, और मोह व अहंकार के वशीभूत होकर किया जाए तो उसका कोई तर्क नहीं होता। ऐसे कार्य में सीधे तौर पर नीयत पर प्रश्न चिन्ह लगता है। अज्ञानता का संबंध मस्तिष्क से और विकारों का संबंध मन से है। मनुष्य के सद्जीवन के लिए शुद्ध मन और मस्तिष्क का होना अति आवश्यक है। यह परमात्मा की शरण में ही संभव है। ज्ञान मनुष्य तब ग्रहण करता है जब उसे अपनी अज्ञानता का बोध हो जाए। विकारों से दूरी वह उस समय बनाता है, जब अपनी सुप्त अंतर्चेतना को देख पाता है। ज्ञान और आत्म जाग्रति परम शक्ति की कृपा से ही संभव है। ज्ञानवान और अंतस में जाग्रत होना सिद्ध अवस्था है, किंतु इस राह पर चलना महत्वपूर्ण है। जब मनुष्य इस राह पर चलने का संकल्प धारण कर लेता है, तब उसके समक्ष स्वयं का और संसार का सच प्रकट होने लगता है। इस राह पर चलते हुए जब वह भूल करता है, तब उसे स्वीकार करने में कोई दुविधा नहीं सामने आती। त्रुटियां और विफलताएं मनुष्य के सामने आत्मावलोकन का एक सुयोग अवसर उपस्थित करती हैं। मन में ज्ञान की पिपासा और आत्म चेतना की इच्छाशक्ति हो तो मनुष्य भूलों से सीख लेकर अपने परिष्कार को तत्पर होता है। प्रत्येक भूल उसे एक कदम और आगे बढ़ने में सहायक होती है। भूलें और भूल की संभावनाएं धीरे-धीरे कम होती जाएं यह मनुष्य के आत्मिक विकास का बड़ा लक्षण है।

## संपादकीय

# भारत की एक और कूटनीतिक कामयाबी

भारत के सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ के एक जवान को पाकिस्तान ने लौटा दिया है और स्वाभाविक ही इसे भारत की एक और कूटनीतिक कामयाबी माना जा रहा है। गौरतलब है कि भारत के बीएसएफ के जवान पूर्णम साव तेईस अप्रैल को गलती से पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गए थे और वहां उन्हें पकड़ लिया गया था। सीमा पार किन्हीं हालात में अगर अन्य देश के जवान को पकड़ लिया जाता है तो उसके जीवन तक को लेकर आशंकाएं पैदा हो जाती हैं। यही वजह है कि पूर्णम साव की वापसी को लेकर उनके परिवार सहित देश के लोगों की चिंताएं गहरा रही थीं। इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच किस स्तर का टकराव हुआ, यह दुनिया ने देखा। लेकिन अब बुधवार को जब पूर्णम साव की पाकिस्तान से रिहाई की खबर आई, तो निश्चित तौर पर यह उनके परिवार वालों के साथ-साथ समूचे देश के लोगों के लिए राहत की बात थी। दोनों देशों के डीजीएमओ स्तर पर हुई बातचीत के नतीजे में बीस दिनों के बाद पूर्णम शा को छोड़ा गया। दरअसल, जिन परिस्थितियों में बीएसएफ के जवान गलती से पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गए थे, वे इतनी ज्यादा संवेदनशील थीं कि उनके कारण दोनों देशों के बीच संघर्ष की नौबत आई। पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस लोगों के मारे जाने के बाद भारत के पास एक तरह से जवाबी कार्रवाई करना अंतिम विकल्प था। इस टकराव की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसे दोनों देशों के बीच पूर्ण संघर्ष के तौर पर भी देखा गया। ऐसे में अगर बीएसएफ जवान की सुरक्षा और जान को लेकर भारत में चिंता गहरा रही थी, तो यह लाजिमी था। यों भी पाकिस्तान के अतीत और उसकी प्रकृति अक्सर उसके विवेक आधारित फैसले नहीं लेने के ही सूचक रहे हैं। हालांकि इस बीच उम्मीद जरूर की जा रही थी कि तमाम विपरीत हालात के बावजूद भारत के लगातार कूटनीतिक प्रयासों से जवान की वापसी सुनिश्चित हो सकेगी। मगर जब दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा हुई तब यह उम्मीद और मजबूत हुई कि अब शायद माहौल शांत होने के बाद इस मसले पर कूटनीतिक बातचीत आगे बढ़ेगी। भारत और पाकिस्तान के बीच किसी गलती से जवानों के सीमा पार कर जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अगर युद्ध या तनाव की स्थिति न हो तो रिहाई में ज्यादा मुश्किल नहीं होती है। मगर पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर जिस तरह का हमला किया था, उसे एक तरह से सीधा संघर्ष मान लिया गया था। पाकिस्तान पहले ही अवांछित गतिविधियों के अंजाम देने से लेकर आतंकवादियों को शह और समर्थन देकर भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में वहां पकड़ लिए गए बीएसएफ जवान के प्रति उसके व्यवहार या रिहाई को लेकर आशंका बनी हुई थी, क्योंकि इसके लिए शुरू होने वाली प्रक्रिया काफी संवेदनशील और जटिल होती है। **-राकेश जैन गोदिका**

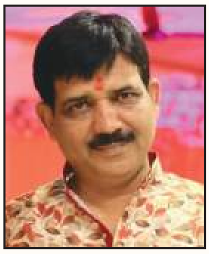

## परिदृश्य

# फुटपाथ पर अधिकार

फुटपाथ पर पैदल चलने के अधिकार के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागतयोग्य है। सर्वोच्च न्यायालय ने जोर दिया है कि बिना किसी बाधा के फुटपाथ का उपयोग करने का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का अनिवार्य हिस्सा है। यह सराहनीय बात है कि एस राजसीकरन बनाम भारत संघ और अन्य मामले में न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने सभी राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को दो महीने के भीतर पैदल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सड़क सुरक्षा के लिए वाकई फुटपाथ सुरक्षा जरूरी है। फुटपाथ न होने से ही लोग सड़क पर चलने के लिए मजबूर होते हैं। फुटपाथ सुरक्षा की जरूरत को रेखांकित करते हुए याचिकाकर्ताओं में से एक, अधिवक्ता किशन चंद जैन ने बताया है कि सड़क दुर्घटना में होने वाली 19.5 प्रतिशत मौतें पैदल यात्रियों से संबंधित हैं। यथोचित फुटपाथ पैदल चलने वालों के लिए किसी वरदान या सम्मान से कम नहीं है। फुटपाथ का अभाव दरअसल पैदल चलने वालों का अपमान है। अगर किसी सड़क पर पैदल चलने वालों के लिए जगह न हो, तो उस सड़क का क्या मतलब है? यहां तक कि एक्सप्रेस-वे बनाते समय भी अनेक जगह पैदल चलने वालों का ध्यान रखा जा रहा है। यह ध्यान देने की बात है कि फुटपाथ की व्यवस्था का काम बिल्कुल निर्धारित है । स्थानीय शासन-प्रशासन की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे तमाम सड़कों पर फुटपाथ की व्यवस्था करें। जहाँ जगह नहीं है या जहां सड़कें बहुत पतली हैं, वहां भी पैदल चलने वालों की सुविधा का प्रबंध किया जा सकता है। पतली सड़कों पर तेज या बड़े वाहनों की कोई जरूरत नहीं है। अक्सर यह भी देखा जाता है कि फुटपाथ पर व्यापारियों या अराजक तत्वों का कब्जा हो जाता है। किसी भी बड़े बाजार में चले जाइए, पैदल चलने वालों को देखकर कष्ट होता है। फुटपाथ को पैदल यात्रियों के लिए बचाए रखना प्राथमिकता होनी चाहिए, मगर व्यावसायिक या गैर-कानूनी प्राथमिकताएं हावी हो जाती हैं। गौर करने की बात है, इधर के वर्षों में भीड़ भरे बाजारों में बुजुर्ग ग्राहकों की संख्या लगभग खत्म हो चुकी है। बुजुर्ग सड़क पर निकलने से डरने लगे हैं। अगर कोई सड़क पर निकलने से डरे, तो जाहिर है, यह उसके जीवन के हक पर चोट है। इस हक को हर जगह बहाल करना प्राथमिक काम में शुमार हो। बच्चों, बुजुर्गों के अलावा यह दिव्यांगों के लिए भी सोचने का समय है। अगर फुटपाथ नहीं होंगे, तो दिव्यांग लोग अपने घर से बाहर कैसे निकलेंगे ? क्या दिव्यांगों को अपने घरों में ही कैद करके उनसे जीने का अधिकार छीन लिया जाए ? केंद्रीय और राज्य के शहरी मंत्रालयों को युद्ध स्तर पर फुटपाथ संरक्षण का काम करना चाहिए। देश में सड़कों पर अतिक्रमण के खिलाफ भी बड़े अभियान की जरूरत है । सर्वोच्च न्यायालय का भी यही निर्देश है। सड़कों को बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों के मुताबिक ढालना होगा। अब इस मामले में ढिलाई अमानवीय ही कही जाएगी। लगे हाथ, न्यायालय ने केंद्र सरकार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड की स्थापना छह महीने के अंदर करने का निर्देश दिया है। एक ऐसे बोर्ड की बड़ी जरूरत है, जो समर्पित भाव से सड़कों और फुटपाथ को तमाम आम लोगों की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने मैं सबसे अहम भूमिका निभाए।

# बेजुबान पक्षियों के लिए कच्ची बस्ती में परिंडे लगाये

## परिंडे लगा कर हर रोज पानी डालने का संकल्प लिया

**सीकर. शाबाश इंडिया।** दिनांक 16 मई 2025 सीकर के रोडवेज बस डिपो स्थित काली मंदिर कच्ची बस्ती में गर्मी के मौसम को देखते हुए बेजुबान पक्षियों के लिए जगह-जगह परिंडे लगाये गये। जिससे पेड़ों सहित अन्य जगहों पर परिंडों को बांधकर परिंडों में प्रतिदिन पानी की व्यवस्था की गई। प्रियंक जैन ने बताया प्रदेश में सबसे अधिक गर्मी वाले क्षेत्र में शेखावाटी की गर्मी बेहाल करने वाली है आसमान से बरसते अंगारों के बीच यहां आम-जन जीवन सब कुछ प्रभावित हो जाता है ऐसे में इन बेजुबानो को गर्मी के प्रकोप से बचाने के लिए सभी को परिंडे लगा कर पक्षीयो को बचाना चाहिये और परिंडे लगाना ही उद्देश्य नहीं अपितु पानी भी प्रतिदिन परिडे में डालना चाहिए।साथ ही करणी सेवा संस्थान के अध्यक्ष शैतान सिंह काव्या ने कच्ची बस्ती के निवासियों को अपने घरों के आंगन व सार्वजिनक स्थानों पर अधिक से अधिक परिंडा लगाने की अपील की। इस मौके पर वासुदेव सोनी शैतान सिंह काव्या आलोक काला धोद जय कुमार छाबड़ा हर्ष प्रियंक गंगवाल कोछोर ने परिडे लगाने में सहयोग किया और साथ ही वही कच्ची बस्ती के निवासी अशोक गुजराती,नीतु ,राम लाल, सुरेंद्र भोपा,धर्मा बंजारा हर रोज पानी डालने का संकल्प भी लिया।

# वर्द्धमान इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट विभाग द्वारा सात दिवसीय नेल आर्ट वर्कशॉप का समापन किया गया

**अमित गोधा. शाबाश इंडिया**

**ब्यावर।** श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्द्धमान इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग एवं मेकअप आर्टिस्ट विभाग में सात दिवसीय नेल आर्ट वर्कशॉप का समापन किया गया। नेल आर्ट वर्कशॉप में सौन्दर्य प्रशिक्षिका प्रियंका मंगरोला द्वारा छात्राओं को नेल्स पर विभिन्न आर्ट बनाना सिखाते हुए एक्रेलिक एक्सटेंशन, परमानेंट नेल लगाना, डिजाइन, शेप्स व प्रोडक्ट्स आदि के बारे में विस्तार से बताते हुए ड्राई मैनीक्योर, टिप एक्सटेंशन, नेल केयर, ओंब्रे आर्ट, स्पाइडर आर्ट, फ्रेंच नेल आर्ट,ग्लिटर आर्ट, फ्लावर आर्ट आदि की जानकारी दी। अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने सभी छात्राओं को प्रमाण पत्र देते हुए बताया कि जहां मॉडर्न ज्वेलरी, ड्रेसेज और मेकअप आकर्षित करता है, वहीं अब मॉडर्न नेल आर्ट से खूबसूरती बढ़ जाती है, इसके मद्देनजर लेडीज में शादी समारोह के अलावा रूटीन में भी नेल पर डिफ्रेंट लुक के नेल आर्ट पसंद किए जाते हैं। महाविद्यालय प्राचार्य आर.सी.लोढ़ा ने सभी छात्राओं का उत्साहवर्द्धन करते हुए वर्तमान समय में स्किल एजुकेशन की आवश्यकता के बारे में समझाते हुए इस कला को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

# गुरुग्राम की अमानी बंसल ने पूरा किया नाना का सपना, पर इसे देखने के लिए वे नहीं रहे

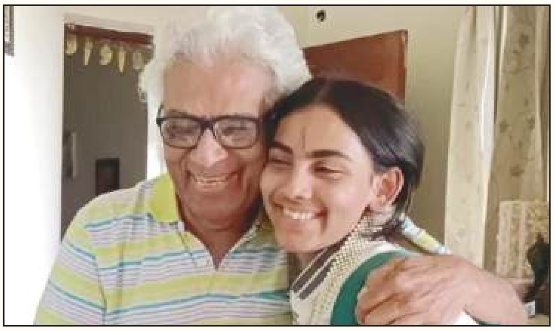

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

गुरुग्राम की रहने वाली अमानी बंसल ने 12वीं सीबीएसई बोर्ड्स में 97.4% नंबर लाकर अपने नाना का सपना पूरा कर दिया है। डॉ चारू बंसल और डॉ अमन बंसल की सुपुत्री अमानी ने कॉमर्स स्ट्रीम में टॉप कर अपने नाना की इच्छा को साकार किया है, लेकिन इस खुशी को देखने के लिए उनके नाना अब इस दुनिया में नहीं हैं। दिगंबर जैन महासमिति के राष्ट्रीय कार्याधक्ष श्री नवीन सेन जैन और दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल की उपाध्यक्ष श्रीमती शशी सेन जैन जी की दोहती हैं अमानी बंसल। उन्होंने अपनी दोहती के लिए एक बड़ा सपना देखा था - स्कूल टॉप करना। नाना ने अमानी को एग्जाम से पहले ही माला पहना कर अच्छे रिजल्ट की बधाई दे दी थी। एक दिन जब अमानी स्कूल से आई तो उन्होंने माला पहनाकर जश्न मनाया। शायद उन्हें एहसास था कि वे इस दिन को देखने के लिए जीवित नहीं रहेंगे। नाना ने अमानी से कहा था, ''जब तुम टॉप करोगी, तो मैं नया सूट सिलवाऊंगा और बहुत बड़ी पार्टी दूंगा।'' अमानी के चेहरे पर मुस्कराहट आ जाती थी जब नाना ऐसे सपने देखते थे। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। रिजल्ट आने से 20 दिन पहले ही नाना का फेफड़ा खराब हो गया और उनका निधन हो गया। आज अमानी ने अपने नाना का सपना पूरा कर दिखाया है, लेकिन इस खुशी में नाना की अनुपस्थिति का दर्द भी शामिल है। अमानी के आंसू उनकी खुशी के साथ मिलकर एक अनोखा मिश्रण बना रहे हैं। अमानी की इस उपलब्धि से उनके परिवार और दोस्तों में खुशी की लहर है, लेकिन सभी की आंखों में नाना की यादों के आंसू भी हैं।

# भगवान महावीर के उपदेश प्राणीमात्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं: जैन संत विलोक सागर

## 22 मई को होगी तीर्थंकर महावीर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

**मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया**

मुरैना। भगवान महावीर स्वामी विराट व्यक्तित्व के धनी थे। महावीर स्वामी ने अहिंसा, संयम और तप को ही धर्म बताया है। भगवान महावीर कहते हैं जो धर्मात्मा है, जिसके मन में सदा धर्म रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं। भगवान महावीर ने अपने प्रवचनों में धर्म, सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह, क्षमा पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था। आज के समय में भगवान महावीर की शिक्षाएं पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। हिंसा, लालच और झूठ से भरी दुनिया में उनके सिद्धांत मानवता के कल्याण के लिए आवश्यक हैं। अहिंसा और

सत्य का पालन कर हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। उनकी शिक्षाएं हमें आत्मसंयम, सह-अस्तित्व और दयाभाव सिखाती हैं। भगवान महावीर के विचारों को आत्मसात करने पर हमें शांति की अनुभूति होती है । उन्होंने हमें प्रेम, करुणा, अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाएं, तो यह संसार अधिक शांतिपूर्ण और समृद्ध हो सकता है। भगवान महावीर के उपदेश न केवल जैन समुदाय के लिए, बल्कि पूरी मानव जाति के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उक्त उद्गार बड़े जैन मंदिर में विराजमान दिगंबर मुनिश्री विलोकसागर महाराज एवं मुनिश्री विबोधसागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए । भगवान महावीर ने अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय के सिद्धांतों पर जोर दिया। उनके ये उपदेश जैन धर्म के मूलभूत आधार हैं। ''अहिंसा परमो धर्मः'' भगवान महावीर का सबसे महत्वपूर्ण संदेश अहिंसा था। उन्होंने कहा कि किसी भी जीव को शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए। उनका मानना था कि सभी जीवों में आत्मा होती है और हमें हर जीव के प्रति करुणा रखनी चाहिए। 'सत्य' भगवान महावीर ने कहा कि सत्य को अपनाना ही सच्ची भक्ति है। झूठ बोलना केवल दूसरों को ही नहीं, बल्कि स्वयं को भी धोखा देने के समान है।

# ज्ञान विवेक जागृत करता है व ज्ञान युक्त क्रिया प्रदान करती है सफलता: विदुषी ब्रह्मचारिणी दृष्टि शास्त्री

## देव दर्शन, मंगल कलश स्थापना व जिनवाणी यात्रा के साथ श्रमण संस्कृति संस्कार शिविरों में शिक्षण शुरू

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के तत्वावधान में जयपुर के 51 मंदिरों में शुक्रवार से श्रमण संस्कृति संस्कार शिविरों में शिक्षण कार्य शुरू हुआ। डा. वंदना जैन, शालिनी बाकलीवाल व विनीता जैन बोहरा ने बताया कि मंदिरों में उत्साह पूर्वक सहभागिता के साथ उद्घाटन समारोह मनाये गए जिसमे देव दर्शन, मंगल कलश स्थापना , बैंड बाजे के साथ जिनवाणी यात्रा आदि आयोजन हुए। प्रचार प्रसार प्रभारी पदम जैन बिलाला के अनुसार जनकपुरी मंदिर में आयी विदुषियों में आचार्य विद्यासागर जी से आजीवन बाल ब्रह्मचारी वृत्त धारी विदुषी दृष्टि जैन शास्त्री ने उद्घाटन समारोह के संबोधन में कहा कि आचार्यों के अनुसार ज्ञान हमारा विवेक जागृत करता है व ज्ञान युक्त क्रिया शत प्रतिशत सफलता प्रदान करती है , शिविर हमे हर कार्य को सम्पादित करने का रहस्य बताते हैं। मंदिरों के संयोजकों अनुसार संघी जी के

मंदिर में जिनवाणी सजा कर, दुर्गापुरा में मंगल कलश स्थापना कर , सेक्टर सात मालवीय नगर में बैनर आदि सहित , चित्रकूट में बच्चों को नियम दिलाकर, अनिता कालोनी में धोती दुपट्टे में जुलूस निकाले गए । इधर 23 दिन वाले मंदिर में बैंड बाजे के साथ ,सेठी कालोनी में अध्यक्ष मंत्री की अगुवाई में, लाल कोठी में भक्तामर पाठ के साथ, शक्तिनगर में सफेद पोशाक में बालक बालिकाएं, अंबाबाड़ी में महिलाए हाथ करघा की साड़ियों में व जनकपुरी में देव दर्शन के बाद तीर्थंकर के मातापिता बने ज्ञान चंद सुशीला देवी भोंच द्वारा आचार्य विद्या सागर जी के चित्र अनावरण के साथ उद्घाटन समारोह मनाया गया। केसर चौराहा, त्रिवेणी नगर, कल्याण नगर, मांग्यावास, राधा निकुंज सहित सभी स्थानों में शिविर शुभारंभ के समाचार है। मानद मन्त्री सुरेश कासलीवाल अनुसार शिविरों में जैन धर्म शिक्षा भाग 1, 2, छहढ़ाला, इष्टोपदेश, द्रव्य संग्रह, तत्वार्थ सूत्र, भक्तामर स्त्रोत, व रत्नकरण्डक श्रावकचार ग्रंथ पढ़ा कर धर्म प्रभावना की जा रही है तथा शिविरों का शुभारम्भ प्राकृत भाषा के मंगला चरण के साथ किया जा रहा है।

# शांति नगर जैन मंदिरजी में धार्मिक पाठशाला का हुआ उद्घाटन

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

शांति नगर में धार्मिक शिक्षण शिविर (जैन पाठशाला) का विधिवत उद्घाटन हुआ। प्रबंधकारिणी समिति के मंत्री सुनील बिलाला ने बताया कि कलश स्थापना प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष सुशील गोधा परिवार एवं दीप प्रज्वलन श्रीमती ललिता देवी सोगानी काच वाला परिवार की ओर से किया गया। कलश स्थापना की संपूर्ण विधि पं निर्मल कुमार बोहरा द्वारा करवाई गई। इस अवसर पर मंदिर जी से जैन भवन तक कलश एवं माँ जिनवाणी का भव्य जूलुस निकाला गया। जिसमें प्रबंधकारिणी समिति, महिला मंडल, युवा मंडल के साथ समाज के महिला पुरूष बच्चे एवं पाठशाला के

विधार्थी शामिल हुए। इस दस दिवसीय शिविर में श्रमण सस्कृति संस्थान सांगानेर की विदुषी सुश्री गुनगुन एवं रीया जैन पाठशाला में शास्त्रों का अध्ययन करवाएगी। शिविर के संयोजक श्रीमती शानु सोगानी, अरूणा छाबड़ा, शशि कोठारी, प्रेमचंद पाटोदी एवं सुधीर पाटनी है।

# केसरिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर प्रारंभ

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

केसरिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर केसर चौराया, मुहाना मंडी रोड में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम बहुत ही गरिमा पूर्ण एवं यादगार माहौल में सम्पन्न हुआ। शिविर के उदघाटन कर्ता परिवार सज्जन कुमार, संजय, निधि, युग व अविका जैन, केकड़ी वाले थे। केसरिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर अध्यक्ष महावीर कासलीवाल, मंत्री नरेश जैन ने बताया कि इस अवसर पर समाज के महिला पुरूष बच्चे उपस्थित रहे। सभी उपस्थित सदस्यो और शिविर में भाग ले रहे शिविरार्थियों को अध्यक्ष महावीर कासलीवाल ने हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी।

# बालिकाओ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कौशल उत्सव में भाग लिया

**जोधपुर. शाबाश इंडिया।** निम्बो का गांव, बालेसर की बालिकाओ ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कौशल उत्सव में सक्रिय रूप से भाग लिया। पाँच दिवसीय स्किल फेस्ट में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निम्बो का गांव के पी.ई.ई.ओ. पन्ना लाल चौहान बताया कि 20 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर स्किल फेस्ट के स्टेज 1 में, उन्होंने रास्पबेरी पाई 5 मॉडल बी (4 जीबी), एक 5 एमपी पाई कैमरा और एक संगत बिजली आपूर्ति सहित सभी हार्डवेयर घटकों को सफलतापूर्वक कॉन्फि गर करके उसे क्रियान्वित किया। स्टेज 2 अब चल रहा है, रास्पबेरी पाई ओएस को डाउनलोड करने और सक्रिय करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। यह महत्वपूर्ण कदम सिस्टम की पूरी क्षमता को अनलॉक करेगा, जिससे वास्तविक समय की एआई परियोजनाओं और नवाचारों का मार्ग प्रशस्त होगा। भारती एयरटेल फाउंडेशन हमेशा से विद्यार्थियों के लिए ऐसा प्लेटफॉर्म उपलबध करवाता रहता है ।

# योगाभ्यास प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ

**अशोकनगर. शाबाश इंडिया**

स्वयं स्वस्थ बनो अभियान द्वारा वर्धमान विद्यालय में आयोजित दस दिवसीय योगाभ्यास प्रशिक्षण एवं प्राकृतिक जीवन जागृति शिविर का शुक्रवार को प्रातः इंजी.हरिबाबू राय विधायक अशोकनगर एवं डॉ.गीता जैन मुम्बई द्वारा दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। संस्था के संरक्षक सुभाष जैन कैंची एवं चेयरमेन सन्दीप बड़कुल ने बताया कि इस शिविर के दौरान योग विशेषज्ञ एवं प्राकृतिक चिकित्सक डॉ.गीता जैन मुम्बई एवं प्रशिक्षण सहयोगी दीपक जानी द्वारा 25 मई तक लगातार दस दिनों तक योग प्रशिक्षण दिया जाएगा एवं प्राकृतिक जीवन जीने की कला सिखाई जाएगी। प्रथम दिन योग के बारे में प्रारम्भिक जानकारी देने के साथ-साथ शरीर के जोड़ों के लिए लाभकारी मेरेडियन एक्सरसाइज कराई गई। शिविर में सभी आयु वर्ग के 121 सहसाधक भाग ले रहें है। ज्ञातव्य है कि डॉ. गीता जैन पूरे भारत वर्ष में योग शिविरों के माध्यम से लोगो को जागृत कर स्वस्थ रहने की कला सिखा रही है। आपके साथ दीपक जानी आसन करके बताते है।

# मोबाइल और टीवी देखने से बच्चों को कैसे रोकें?

**विजय गर्ग**

मोबाइल फोन, टैबलेट और स्मार्ट टीवी के उदय के साथ, कई माता-पिता अपने छोटे बच्चों को स्क्रीन से दूर रखने के लिए संघर्ष करते हैं। जबकि डिजिटल डिवाइस सामयिक शैक्षिक मूल्य, अत्यधिक स्क्रीन समय की पेशकश कर सकते हैं - विशेष रूप से टॉडलर्स और प्रीस्कूलर्स के लिए - उनके सामाजिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास में बाधा डाल सकते हैं। तो माता-पिता निरंतर संघर्ष या अपराध के बिना स्वस्थ सीमाएं कैसे निर्धारित कर सकते हैं? यह गाइड परिवारों को स्क्रीन निर्भरता को कम करने और अधिक सार्थक, तकनीक-मुक्त कनेक्शन को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए व्यावहारिक, अनुसंधान-समर्थित रणनीति प्रदान करता है। स्क्रीन समय के लिए स्वस्थ सीमाएँ निर्धारित करना बच्चों और छोटे बच्चों के लिए स्क्रीन समय सीमित करना उनके संज्ञानात्मक, भावनात्मक और सामाजिक विकास का समर्थन करने के लिए

आवश्यक है। बाल चिकित्सा विशेषज्ञ परिवार के साथ वीडियो कॉल को छोड़कर दो साल से कम उम्र के बच्चों के लिए किसी भी स्क्रीन उपयोग से बचने की सलाह देते हैं। 2-5 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए, स्क्रीन का समय प्रति दिन एक घंटे तक सीमित होना चाहिए, जो शैक्षिक और उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री पर केंद्रित हो। बड़े बच्चों को एक संतुलित दिनचर्या बनाए रखनी चाहिए, यह सुनिश्चित करना कि स्क्रीन का उपयोग नींद, शारीरिक गतिविधि, सीखने या पारिवारिक बातचीत में हस्तक्षेप न करे। संलग्न विकल्पों को प्रोत्साहित करना बच्चों पर कब्जा करने के लिए स्क्रीन पर भरोसा करने के बजाय, माता-पिता को एक उत्तेजक, स्क्रीन-मुक्त वातावरण बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आउटडोर खेल, एक साथ किताबें पढ़ना, पहेली, रचनात्मक शिल्प और परिवार बोर्ड गेम न केवल मनोरंजन प्रदान करते हैं, बल्कि भावनात्मक संबंध और विकासात्मक कौशल का पोषण भी करते हैं। स्क्रीन-फ्री जोन की स्थापना - जैसे बेडरूम या डिनर टेबल - और स्क्रीन-फ्री घंटे, विशेष रूप से सोने से पहले, बच्चों को हवा देने और नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए अग्रणी और शामिल रहना माता-पिता स्वस्थ स्क्रीन की आदतों को मॉडलिंग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चे अक्सर वयस्क व्यवहार की नकल करते हैं, इसलिए माइंडफुल स्क्रीन उपयोग का प्रदर्शन करते हैं और सक्रिय, गैर-स्क्रीन गतिविधियों में बच्चों के साथ संलग्न होते हैं, एक सकारात्मक उदाहरण सेट करते हैं। जब स्क्रीन उपयोग की अनुमति दी जाती है, तो सह-देखने वाले कार्यक्रम और सामग्री पर चर्चा करने से अनुभव अधिक शैक्षिक हो जाता है। स्पष्ट नियमों और सीमाओं के साथ एक पारिवारिक मीडिया योजना स्थापित करना स्थिरता सुनिश्चित करता है। यदि चुनौतियां उत्पन्न होती हैं, जैसे कि स्क्रीन की लत या व्यवहार में परिवर्तन के संकेत, माता-पिता को व्यक्तिगत मार्गदर्शन के लिए बाल रोग विशेषज्ञों से परामर्श करने की सलाह दी जाती है।

विजय गर्ग: सेवानिवृत्त प्राचार्य
शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाविद् स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

# दान का फल सदैव मिलता : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

**इंदौर. शाबाश इंडिया**

प. पू. भारत गौरव सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ प्रणेत्री श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ इंदौर में धर्म की महती प्रभावना कर रही है। पूज्य माताजी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से निमार्णाधीन सहस्त्रकूट जिनालय का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है ।यात्रियों के लिए क्षेत्र पर समुचित सुविधायें उपलब्ध है। माताजी के मुखारविंद से शिखरजी ड्रीम्स में अभिषेक , शांतिधारा हुई ।तत्पश्चात माताजी का मंगल उद्बोधन धर्मस्नेही बन्धुओ को प्राप्त हुआ। माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि धन्य है वह धरती जहां गुरुओं और संतों के चरण पड़ते हैं। यह अपने सातिशय पुण्य का ही प्रभाव है जिसके कारण हम संतों की सेवा कर पाते हैं। सच्चे देव - शास्त्र - गुरू की सेवा , वैयावृत्ति , दान आदि देने का असीम फल स्वर्ग आदि में अपना स्थान सुनिश्चित करना है। माताजी ने उदाहरण देते हुए कहा कि - एक कुत्ता जिसके गले में पट्टा है वो पालतू है और जिसके गले में पट्टा आदि नहीं है वह फालतू है। एक कुत्ता अउ की गाड़ी में घूमता है अच्छा खाता है। यहां तक की अच्छे कपड़ें भी पहनता है । और एक कुत्ता गलियों में घूमता , खाने के लिए तड़पता है। तो ये सब पूर्व कर्म का ही फल है। जो कुत्ता पालतू है उसने पूर्व में दान किया होगा , देव - शास्त्र - गुरु की भक्ति की होगी पर अंतिम समय उसके भाव विपरीत हो गये जिसका फल तिर्यंच पर्याय में जन्म मिला ।लेकिन दान का फल भी उसे मिला इसलिए पालतू बना। हम सब भी यदि मन से दान पूजा सेवा करेंगे तो फालतू नहीं बनेंगे। लेकिन हमें न फालतू बनना है न पालतू तो अपने भावों को संभालकर धर्म में लगाये रहे ।जिससे हमारा इस मनुष्य भव में जैन धर्म पाना सार्थक हो जाए। पूज्य माताजी की निर्विघ्न आहारचर्या करवाने का सौभाग्य निशांत रेशु जैन सपरिवार ने प्राप्त किया।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

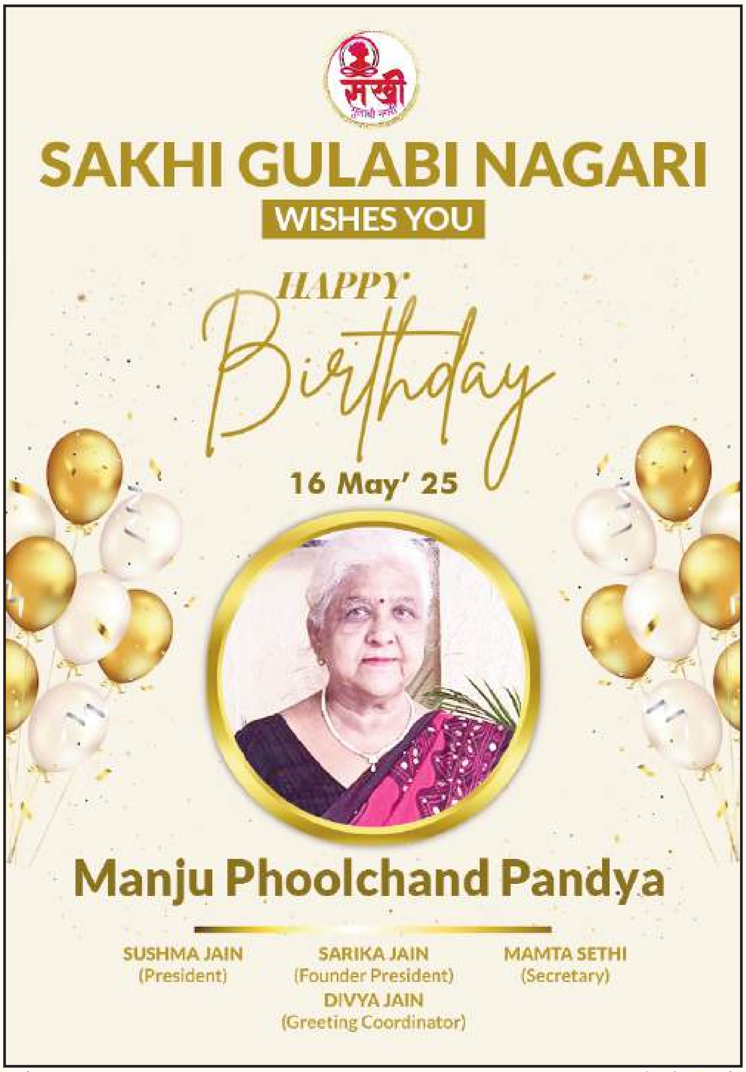

# श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन नेमिसागर कॉलोनी में

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के तत्वावधान में श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन नेमिसागर कॉलोनी स्थित श्री नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर में जिनवाणी को बड़े आदर के साथ व पांच मंगल कलश के साथ आगे जैन ध्वज, पीछे सभी श्रावक गण जैन ध्वज व नारे लगाते हुए जिनवाणी यात्रा में बैंड बाजों के साथ तीन परिक्रमा लगाते हुए मंदिर जी में प्रवेश करके मंदिर जी में जिनवाणीसंतोष बाकलीवाल द्वारा विराजमान की गई। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि जिनवाणी यात्रा के बाद सांगानेर संस्थान से पधारे विद्वान श्री उपेंद्र जी शास्त्री, विद्वान अमन जी शास्त्री का सम्मान किया गया। चित्र का अनावरण अनिल जी बबीता जी जैन धुआं वालों द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन अश्विनी जी मधु जैन द्वारा किया गया। विद्यासागर कलश पदम जी पहाड़िया, वर्धमान सागर कलश वीरेंद्र जी गोधा, समय सागर जी कलश विजय कुमार बड़जात्या,सुधा सागर जी कलश जेके जैन कालाडेरा, श्री सुपार्श्वमति माताजी कलश पूनम चंद ठोलिया द्वारा स्थापित किया गया। कार्यक्रम में 10 दिन प्रश्न मंच के पुरस्कार प्रायोजक राकेश जी सुनीता जी पहाड़िया एवं मुख्य परीक्षा के पुरस्कार प्रायोजक अनिल जी बबीता धुआं वाले हैं ।संस्कार शिक्षण शिविर में छह ढाला, इष्टोपदेश, द्रव्य संग्रह का वाचन एवं अध्ययन किया जाएगा। शिविर के संयोजक विजय बड़जात्या ,पूनम तोलिया, मंजू जैन,अर्चना निगोतीया है और शिविर में ज्ञान पिपासु श्रावकगण महिला पुरुष और बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। सभी का उत्साह देखते ही बन रहा था।

## आरजेएस में चयनित अग्रवाल समाज की 19 प्रतिभाओं का उदयपुर में सम्मान करेगा समाज आज

### अग्रवाल समाज के 18 युवतियां और 1 युवक न्यायिक सेवा में चयनित

**उदयपुर. शाबाश इंडिया।** पश्चिमी राजस्थान अग्रवाल सम्मेलन द्वारा 17 मई को नगर निगम परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें न्यायिक सेवाओं में चयनित अग्रवाल समाज के 19 युवा न्यायिक मजिस्ट्रेटों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 प्रतिष्ठित नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन सुबह 9.30 बजे से प्रारंभ होगा। सम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष के.के. गुप्ता ने बताया कि राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा में 222 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिनमें 68 प्रतिशत महिलाएं हैं। अग्रवाल समाज से 19 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिनमें 18 लड़कियां और 1 लड़का शामिल हैं। यह समाज के लिए गर्व की बात है और यह प्रमाण है कि बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। समारोह में मुख्य अतिथि न्यायाधिपति विनीत माथुर और मुख्य वक्ता न्यायाधिपति मनोज गर्ग होंगे। कार्यक्रम में भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, गीतांजली कॉलेज के चेयरमैन जेपी अग्रवाल, सौरभ खेतान, पेसिफिक कॉलेज के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, डीपीएस स्कूल चेयरमैन गोविंद अग्रवाल, एसके खेतान, नटवर खेतान, ओम अग्रवाल के अलावा नारायण सेवा संस्थान के चेयरमैन प्रशांत अग्रवाल विशिष्ट अतिथि होंगे।

# एंजल पब्लिक स्कूल नोहर ने किया होनहारों का सम्मानित

**नोहर नरेश सिगची. शाबाश इंडिया**

नोहर। स्थानीय एंजल पब्लिक स्कूल द्वारा कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले छात्रों का एक सम्मान समारोह विद्यालय ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उप पुलिस अधीक्षक ईश्वर सिंह थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय मैनेजमेंट से एडवोकेट के.एल मित्रुका ने की। विद्यालय के पूर्व छात्र मयंक मोदी,डॉ. मयंक वाधवानी,निखिल चौधरी एवं प्रतीक मित्रुका कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थे। उपस्थित अतिथियों सहित विद्यालय निदेशिका श्रीमती शशि माहेश्वरी एवं प्रधानाध्यापक पंकजसिंह ने सरस्वती जी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर विद्यालय ने अपने विद्यार्थी सीबीएसई दसवीं परीक्षा में 95.8% अंक के साथ नोहर टॉपर गौतम कंदोई,95.4% अंक के साथ नोहर में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पीयूष हिसारिया सहित 90% से अधिक अंक प्राप्त करने पर हर्षित शर्मा,खुशबू,कौमुदी एवं विनीत पूनिया को सम्मानित किया। इसके अलावा कक्षा दसवीं में 85% से अधिक अंक प्राप्त करने पर विद्यालय के 10 छात्रों का सम्मान किया गया तथा कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट परिणाम देने पर विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों शमा मुल्तानी,गर्व अग्रवाल,अंजली बोहरा,इशिका गुरनानी,अंकित कुमार,सोमवीर तथा दिव्या कंदोई को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक ईश्वर सिंह ने विद्यार्थियों से राष्ट्र निर्माण में अपना सहयोग देने एवं कठिन परिश्रम कर एक बेहतर राष्ट्र के निर्माण हेतु कार्य करने का आह्वान किया। विद्यालय के पूर्व छात्रों मयंक मोदी,डॉ.मयंक वाधवानी,सीए प्रतीक मित्रुका तथा निखिल चौधरी ने अपने छात्र जीवन के संस्मरणों को याद करते हुए बताया कि यह उनके लिए बहुत गर्व का क्षण है कि जिस विद्यालय से उन्होंने शिक्षा प्राप्त की आज वही अतिथि के रूप में छात्रों का सम्मान करने आए हैं। उन्होंने कहा कि देश-विदेश के अनेक प्रतिष्ठित कॉलेजों जैसे आईआईटी से इंजीनियरिंग, मेडिकल, एमबीए, चार्टर्ड अकाउंटेंट आदि की शिक्षा ग्रहण करने की अपनी जीवन यात्रा में कभी कम तो कभी ज्यादा अंक प्राप्त किए परन्तु कभी काम करना बंद नहीं किया तथा इसी प्रकार आज के दौर के विद्यार्थियों को कभी अपने अंकों से प्रभावित होकर मेहनत करनी नहीं छोड़नी चाहिए। विद्यालय द्वारा कक्षा 10वीं को पढ़ाने वाले शिक्षकों पंकज सिंह,श्रीमती अनिता जोशी,श्रीमती तरन्नुम,राजीव सिंह,नरेश कुमार एवं श्रीमती निधि वशिष्ठ को भी उल्लेखनीय कार्य करने हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अभिभावकों मुकेश हिसारिया,रूबी कंदोई आदि ने भी विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की प्रशंसा की। विद्यालय प्रबंध समिति के एडवोकेट के. एल. मित्रुका ने विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। विद्यालय निदेशिका श्रीमती शशि माहेश्वरी ने छात्रों से कहा कि जीवन में सबसे बड़ी परीक्षा एक बेहतर व्यक्ति बनने की होती है तथा इस परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाला ही सच्चा विजेता होता है ।सम्मान अधिक अंक प्राप्त करने पर नहीं बल्कि सही दिशा में मेहनत करने पर किया जाता है तथा परीक्षाओं में अधिक अंक प्राप्त करने या कम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को इससे प्रभावित नहीं होना चाहिए एवं भविष्य में अपनी रुचि के क्षेत्र में अधिक मेहनत करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की विद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सभी अतिथियों, अभिभावकों, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया।

# श्री नेमिनाथ पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर में धार्मिक शिक्षण शिविर प्रारंभ

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री दिग्म्बर महिला अंचल राजस्थान के तत्वावधान मे श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर शिक्षा ओर संस्कार श्री नेमिनाथ पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हीरा पथ मानसरोवर में 16 मई से 27 मई 2025 किया जा रहा है। शिविर संचालिका तारा मणि गोधा व पिंकी कासलीवाल ने बताया कि शिविर का उद्घाटन प्रकाश, कांता, महेंद्र सुनाला कासलीवाल, कैलाश इंद्रा जैन परिवार द्वारा किया गया। शिविर मे सांगानेर बालिका छात्रावास से आई दीदी ने मंगलाचरण के साथ कक्षा प्रारम्भ कराई संस्थान से आई पावनी दीदी,शैलि दीदी सभी ने बड़े सहज व सरल तरीके से बच्चों को धर्म की महत्व के बारे मे बताया। बाद में जिनवाणी स्तुति की गई। सभी बच्चे शिविर मे आकर उत्साहित थे।

# धार्मिक ज्ञान ज्योति शिविर 26 मई से

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जैन सोश्यल ग्रुप नॉर्थ द्वारा समस्त जयपुर जैन समाज के लिए दिनांक 26 मई से 7 जून 2025 तक धार्मिक ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी एवं संयोजक दिनेश कुमार जैन ने बताया कि छःढाला धार्मिक कक्षा का आयोजन पंडित विनय कुमार जी व्याख्याता श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर के सानिध्य में किया जाएगा।